।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाष : 01565–224600,224900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में जुटेंगे सुफी समुदाय के दिग्गज

दो दिन तक चलेगा जैनिज्म और सूफीज्म पर चिंतन मंथन

–तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)–

श्रीडूँगरगढ़ 5 मार्च : आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में आज से प्रारंभ होने वाले दो दिवसीय एक विशिष्ठ सम्मेलन में सूफी समुदाय के दिग्गज जैनिज्म और सूफीज्म की समानता पर चिंतन मंथन करने के लिए जुटेगें। इण्डियन सूफी स्कॉलर फॉर्म और आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति के द्वारा आयोजित एवं सुभाष बड़ेला द्वारा प्रयोजित इस सम्मेलन में जैन दर्शन और सूफी दर्शन की समानता पर चर्चा होने दोनों के साथ ही विश्व शांति, अहिंसात्मक व्यवहार और सर्वधर्म सद्भाव कायम करने के सन्दर्भ में आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा प्रदत्त सूत्रों और इंगित को अम्ली जामा पहनाने हेतु सूफी समुदाय के दिग्गजों द्वारा आम सहमती प्रकट की जायेगी। आयोजन पक्ष से मिली जानकारी के अनुसार इस तरह का सम्मेलन इतिहास का प्रथम सम्मेलन है। इस सम्मेलन के आयोजन का श्रेय आचार्य महाप्रज्ञ की अहिंसा यात्रा को जाता है। अहिंसा यात्रा में मुस्लिम समुदाय के द्वारा जो सहयोग मिला और स्वागत हुआ वह काबिले तारीफ था। आचार्य महाप्रज्ञ के व्यक्तित्व से एवं मानवता के उत्थान हेतु चलाये जाने वाले अभियानों के कारण सूफी समुदाय ने उनके संदेश को व्यापक बनाने का संकल्प दर्शाया है। इस समुदाय की देश की जानी मानी दरगाहों में होने वाले झालाना उर्स में सर्वधर्म सद्भाव सभा के आयोजन का मानस भी बनाया जा चुका है। इस समुदाय के कार्यकर्ताओं ने आचार्य महाप्रज्ञ के इंगित पर विश्व शांति के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया है।

इस सम्मेलन में जहां अजमेर दरगाह के मुख्या फकरु मियान चिस्ति, आगरा दरगाह के मुख्या सज्जदा नाशीन शाह हुसेन अहमद दिल्ली के दिवान हजरत निजामुदीन ओलिया, बेरली के पूटल मियाज, कोलकात्ता से खनकाह इफ्तीखाटिया आदि अनेक दिगज उपस्थित होगें वहीं आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण, साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा, मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा सहित अनेक साधु–साध्वियों की मौजुदगी से सम्मेलन आयोजन उद्देश्यों और लक्ष्यों की प्रारित का विश्वास जगेगा। इस सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में अनेक मसलों पर आध्यात्मिक संवाद होगा। आयोजन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने इसकी तैयारियों को अंतिम रुप दिया।

पूर्वजन्म अनुभूति शिविर का शुभारम्भ

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति द्वारा आयोजित प्रेक्षाध्यान से पूर्वजन्म अनुभूति शिविर का शुभारम्भ आज प्रवचन कार्यक्रम के दौरान हुआ। इस मौके पर युवाचार्य महाश्रमण ने संभागियों को प्रेक्षाध्यान

क्रमश : ..... (2)

की उपसंदा स्वीकार कराते हुए कहा कि पूर्व जन्म का सिद्धांत शास्त्र सम्मत है। गीता में अनेक जगहों पर इस सन्दर्भ में उल्लेख मिलता है और जैनागमों में तो पूर्वजन्म पर प्रचुरता से लिखा गया है। जिस तरह से पुराने कपड़े को छोड़ कर व्यक्ति नया कपड़ा धारण कर लेता है वैसे ही आत्मा इस जन्म में प्राप्त शरीर को छोड़कर नया शरीर प्राप्त कर लेती है। शिविर के निर्देशक मुनि किशनलाल ने भी अपने विचार रखे। संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

''आओ हम जीना सीखें'' कृति का विमोचन

युवाचार्य महाश्रमण की पुस्तक ''आओ हम जीना सीखें'' का विमोचन राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ के करकमलों से हुआ। डायमंड प्रकाशन द्वारा प्रकाशित प्रस्तुत कृति की प्रति को विमोचन हेतु युवाचार्य महाश्रमण ने स्वयं वंदन करते हुए आचार्यश्री को समर्पित की। देश के विख्यात कवि राजेश चेतन और इन्द्र बैंगानी ने प्रस्तुत प्रतियों को पूज्यवरों को भेंट की।

खूब जमा कवि सम्मेलन

तेरापंथ भवन में रात्री को आयोजित कवि सम्मेलन में देश के ख्यातनाम कवियों ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को खूब लोट पोट किया। युवाचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में चले इस कवि सम्मेलन में हरियाणा के राजेश चेतन, दिल्ली के चिराग जैन, चरणजीत चरण उदयपुर के राव आजाद शत्रु, बी.सी. मालु आदि ने अपनी सधी भाषा में देश के नेताओं, बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण, अपसंस्कृति और आचार्य महाप्रज्ञ के व्यक्तित्व पर काव्य प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने ओम अर्हम् की ध्वनि से अपने हर्ष को प्रकट किया। इस कवि सम्मेलन में मुनि जय कुमार, मुनि मोहजीत कुमार, मुनि कुमारश्रमण ने भी कविता पाठ किया।

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक/सहसंयोजक